लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 4683

23 मार्च, 2020 को उत्तर के लिए

स्टील अथॉरिटी ऑफ इण्डिया लिमिटेड का कार्यनिष्पादन

4683. श्री जी.एम. सिद्देश्वरः

क्या इस्पात मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार ने स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) सहित इस्पात क्षेत्र के सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों को निजी कंपनियों की तुलना में विभिन्न मापदंडों पर अपने प्रदर्शन में सुधार करने के लिए निर्देश दिए हैं और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम न केवल अंतरराष्ट्रीय बेंचमार्क से पिछड़ रहे हैं बल्कि निजी समकक्षों से भी पीछे हैं और अपनी क्षमताओं का दोहन करने के प्रति उदासीन हैं; और

(ग) यदि हां, तो इस संबंध में सरकार द्वारा क्या सुधारात्मक कदम उठाए गए हैं/उठाए जाने प्रस्तावित हैं और अब तक कितनी प्रगति हुई है?

उत्तर

इस्पात मंत्री (श्री धर्मेंद्र प्रधान)

(क) से (ग): भारत में दो इस्पात विनिर्माण केंद्रीय सरकारी क्षेत्र उद्यम (सीपीएसई) हैं नामतः स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) तथा राष्ट्रीय इस्पात निगम लिमिटेड (आरआईएनएल)।

सरकार सीपीएसई द्वारा इस्पात मंत्रालय के साथ किए गए समझौता ज्ञापन में निहित विभिन्न मापदण्डों पर उनके अपने कार्य-निष्पादन के आधार पर उनकी समीक्षा एवं मूल्यांकन करती है।

स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया (सेल) के तहत सार्वजनिक क्षेत्र के अधिकांश एकीकृत इस्पात संयंत्रों की स्थापना 1960 और 1970 के दशकों में हुई थी, सिवाय विशाखापट्टनम इस्पात संयंत्र (वीएसपी) और राष्ट्रीय इस्पात निगम लिमिटेड (आरआईएनएल) के, जिनकी स्थापना 1990 के दशक में हुई थी। उनमें अपनाई गई कुछ प्रौद्योगिकियां और उपस्कर अब पुराने और अप्रचलित हो गए हैं। दोनों इस्पात सीपीएसई ने अन्य बातों के साथ-साथ प्रौद्योगिकीय अप्रचलन संबंधी समस्याओं को दूर करने के लिए आधुनिकीकरण/विस्तार कार्यक्रम शुरू किए हैं।

*****